Roll No. .....

एम.ए.एस.एल. 12 (एम. ए. संस्कृत)

द्वितीय वर्ष, सत्र-2014

एम.ए.एस.एल. - 203

सिद्धान्तकौमुदी कारक एवं समास प्रकरण

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 60

नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खंडों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खंड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खंड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×15=30

1. निम्न सूत्रों की व्याख्या कीजिये -

(क) सम्बोधने च

(ख) कर्मणि द्वितीया

(ग) अनभिहिते

2. निम्न की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिये -

(क) हरिं भजति

(ख) पयसा ओदनं भुंक्ते

(ग) बलिं याचते वसुधां

3. 'अकर्मक धातुभिर्योगे देशः कालो भावौ गन्तव्योऽध्वा च कर्मसंज्ञक इति वाच्यम्' इस वार्तिक की व्याख्या कीजिए ।

4. 'कुरून् स्वपिति' तथा 'क्रोशमास्ते' प्रयोगों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिये ।

खंड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खंड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं।4×5=20

1. 'चतुर्थी सम्प्रदाने' सूत्र की व्याख्या कीजिये ।

2. 'रुच्यर्थानां प्रीयमाणः' सूत्र की विवेचना कीजिये ।

3. 'हरये नमः' की सिद्धि प्रक्रिया समझाकर इससे सम्बन्धित सूत्र का प्रयोजन लिखिये ।

4. अपादान कारक की परिभाषा करते हुए 'अपादाने पंचमी' सूत्र की व्याख्या कीजिये ।

5. 'भीत्रार्थानां भयहेतुः' सूत्र को किसी एक उदाहरण द्वारा समझाइये।

6. अव्ययीभाव समास को परिभाषित कर 'समर्थः पदविधिः' सूत्र की व्याख्या कीजिये ।

7. 'वागर्थाविव' प्रयोग की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिये ।

8. 'अधिगोपम्' प्रयोग की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिये ।

खंड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खंड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है । इस खंड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । $10 \times 1 = 10$

एक शब्द में उत्तर दीजिये :

1. समास कितने प्रकार के होते हैं ?

2. कारक कितने प्रकार के होते है ?

3. 'अधिगोपम्' में कौन-सा समास है ?

4. 'विष्णवे स्वाहा' में कौन-सी विभक्ति है ?

5. पूर्व पद का अर्थ किस समास में प्रधान होता है ?

6. 'राजपुरुषः' में कौन-सा समास है ?

7. 'चौरभयम्' में कौन-सा समास है ?

8. 'पितरौ' में कौन-सा समास है ?

9. 'नमः' के योग में कौन-सी विभक्ति होती है ?

10. 'बाणेन' में कौन-सी विभक्ति है ?